13

यात्रा जो पूरी न हो सकी

लिखिए

1. घटनाओं के क्रम के अनुसार 1, 2, 3... लिखिए—

क. लेखक घूमते हुए लद्दाख पहुँचे। 1

ख. इस नई बर्फ़ ने मेरा खात्मा ही कर दिया होता। 4

ग. हम अमरनाथ गुफा से बहुत ऊँचे थे। 3

घ. हम लोग थके-हारे हताश ही लौट आए। 2

ङ. हमें विशाल हिम सरोवर देखने का सौभाग्य मिला।

2. पाठांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैंने अपने परिवार ..... 'मटायन' कहलाती थी।

क. लेखक ने अपने परिवार को कहाँ छोड़ा?

उ. लेखक ने अपने परिवार को श्रीनगर की घाटी में छोड़ा।

ख. घूमते हुए वे कहाँ पहुँचे?

उ. घूमते हुए वे लद्दाख पहुँचे।

ग. यात्रा के दौरान उन्हें कैसा अनुभव हुआ?

उ. यात्रा के दौरान उन्हें एक दिल दहला देनेवाला अनुभव हुआ।

समझिए व्याकरण संबोध

1. पर्यायवाची शब्द लिखिए—

भाई — ···भ्राता··· ···भैया···

यात्रा — ···सफ़र··· ···देशाटन···

पहाड़ — ···पर्वत··· ···गिरि···

नदी — ···सरिता··· ···तटिनी···

आँख — ···चक्षु··· ···नेत्र···

पैर — ···पाँव··· ···पग···

2. इन विशेषण शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

चचेरा — ···मेरा चचेरा भाई मुझसे छोटा है।···

ताज़ा — ···शुद्ध हवा हमें तरो-ताज़ा रखती है।···

खतरनाक — ···नेहरू जी खतरनाक यात्रा पर निकले थे।···

3. इन विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए—

ऊँचा — ···ऊँचाई···

लंबा — ···लंबाई···

चौड़ा — ···चौड़ाई···

मोटा — ···मोटाई···

पाठ - 13 यात्रा जो पूरी न हो सकी
(पाठ की पठन क्रिया करवाना)

श्रुतलेखन शब्द

1. घाटी
2. गुफा
3. बरफ़ीली
4. भयानक
5. हिम - सरोवर
6. ओइनल
7. अमरनाथ
8. मँज़िल
9. खतरनाक
10. दरार
11. हताश
12. अनदेखी

DATE

शब्दार्थ -

1. खयाल - विचार
2. नदारद - गायब, अनुपस्थित
3. गड़रिया - भेड़ - बकरी चराने वाला
4. रपटीली - फ़िसलन भरी
5. खेमा - तंबू
6. अर्धचंद्र - आधा चंद्रमा
7. ओसल - गायब
8. हताश - निराश

कुछ शब्दों में

प्र० 1. मटायन से अमरनाथ की गुफा कितनी दूर थी?

उत्तर मटायन से अमरनाथ की गुफा सिर्फ़ आठ मील दूर थी।

प्र०2 नेहरू जी ने यह यात्रा कब की?

उत्तर नेहरू जी ने यह यात्रा सन 1918 में की।

प्र०3 यात्रा के दौरान कैसी नदियाँ मिलीं?

उत्तर यात्रा के दौरान बरफ़ीली नदियाँ मिलीं।

कुछ वाक्यों में

प्र० क हिम - सरोवर का दृश्य कैसा था?

उत्तर हिम - सरोवर का दृश्य बहुत सुंदर था। उसके चारों ओर ढकी पर्वत - चोटियाँ मुकुट या अर्धचंद्र के समान लग रही थीं।

प्र० ख नेहरू जी ने बर्फ़ीली नदियों को पार करते समय किन मुश्किलों का सामना किया?

उत्तर बर्फ़ीली नदियाँ पार करते समय उन्हें साँस लेने में कठिनाई होने लगी। कुछ समान उठानेवालों के मुँह से खून निकलने लगा। ये नदियाँ रपटीली हो गई थीं। थकावट की वजह से एक - एक कदम आगे बढ़ने के लिए मेहनत करनी पड़ रही थी।

प्र० ग नेहरू जी की यात्रा अधूरी क्यों रह गई?

उत्तर नेहरू जी की यात्रा के दौरान परेशानियाँ बढ़ती जा रही थीं। रास्ते में मिलनेवाली दरारें बड़ी हो रही थीं। एक बार

ऐसी ही दरार और उस पर जमी बरफ़ में नेहरू जी गिर गए और मुश्किल से उनकी जान बची। इस घटना के बाद उन्होंने वापस लौटने का निश्चय किया और उनकी यात्रा अधूरी रह गई।

प्र०घ हम लोग थके-हारे हताश ही लौट आए - क्या नेहरू जी के इस निर्णय से आप सहमत हैं? अपने विचार लिखिए।

उत्तर- मैं नेहरू जी के निर्णय से सहमत हूँ। यात्रा के दौरान वे सभी बहुत थक गए थे। आगे बढ़ने पर परेशानियाँ भी बढ़ रही थीं। इन खतरों में उनकी जान भी जा सकती थी।